म्हारी पागड़ी री लाज | By Pankaj Sanwariya

म्हारी पागड़ी री लाज बचा ल्यो म्हारा सांवरिया
बचा ल्यो म्हारा सांवरिया
या दांव पे लागी जी .....

ज्यादा की थी नहीं कामना थोड़ा माँ थो राजी
इमान की रोटी खाई फिर भी पलटी बाज़ी
इब तो नैया है मझधार
अब है थां पर दारमदार
नैया पार लगा दयो जी .....

दिन खोटा जद आवे सारो जग बैरी हो जावे
थे भी जो ना करो सुनाई भगत कठी ने जावे
करनी पड़सी म्हापे महर
बाबा करियो मत ना देर
थारी किरपा दिखा दयो जी.....

एक दिन बोहनी करने बाबा ग्राहक बनकर आया
ई व्यापारी का दिन सावन बावन करके आया
हो गया पौ बारह पच्चीस
गावे रवि झुकाओ शीश
थे भी लगन लगा ल्यो जी .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c-by-pankaj-sanwariya/